भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

10.12.2025 के

तारांकित प्रश्न सं. 152 का उत्तर

कन्नूर रेलवे स्टेशन पर चौथे प्लेटफॉर्म का निर्माण

***152. श्री के. सुधाकरन:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने परिचालन क्षमता का विस्तार करने और रेलगाड़ियों की संचालन दक्षता में सुधार करने के लिए कन्नूर रेलवे स्टेशन पर चौथे प्लेटफार्म के निर्माण के लिए रेल यात्रियों और जन-प्रतिनिधियों की काफी समय से लंबित मांगों की जांच की है;

(ख) यदि हां, तो रेलवे द्वारा तैयार किए गए व्यवहार्यता अध्ययन/प्रशासनिक अनुमोदन/अनुमानों सहित इस प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या सरकार का विचार उत्तरी मालाबार क्षेत्र में कन्नूर रेलवे स्टेशन के महत्व को ध्यान में रखते हुए इस स्टेशन पर प्लेटफार्म संख्या 4 के निर्माण को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शामिल करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का विचार आगामी केन्द्रीय बजट में इस निर्माण के लिए धनराशि आबंटित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और उक्त परियोजना को पूरा करने की समय-सीमा क्या है; और

(ङ) काफी समय से लंबित इस आवश्यक अवसंरचना के संबंध में कार्रवाई करने और कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी प्राधिकारियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 10.12.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 152 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): कण्णूर रेलवे स्टेशन मंगलूरु-षोरणूर दोहरी लाइन खंड पर स्थित है। वर्तमान में, कण्णूर स्टेशन में 4 प्लेटफॉर्म हैं, जिनमें से 3 प्लेटफॉर्म 26 सवारी डिब्बों की लंबाई वाले हैं और चौथा प्लेटफ़ॉर्म 16 सवारी डिब्बों की लंबाई वाला है। वर्तमान में, कण्णूर स्टेशन 111 रेलगाड़ियों (104 मेल/एक्सप्रेस और 7 यात्री रेलगाड़ियों) द्वारा सेवित है, जिनमें 4 वंदे भारत और 2 राजधानी रेलगाड़ी सेवाएँ शामिल हैं।

खंड की क्षमता बढ़ाने के लिए, मंगलूरु-षोरणूर में तीसरी और चौथी लाइन (307 किलोमीटर) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए इसका सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है।

<u>केरल</u>

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। केरल राज्य में पूर्णतः/अंशतः स्थित अवसंरचना परियोजनाओं एवं संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	372 करोड़ रुपए प्रति वर्ष
2025-26	3,042 करोड़ रुपए (8 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, केरल राज्य में पूर्णतः/अंशतः स्थित 06 परियोजनाएँ (02 नई लाइन और 04 दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 266 किलोमीटर और लागत ₹9,415 करोड़ है, योजना/स्वीकृति/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। इसका सारांश निम्नानुसार है :-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई	कमीशन की गई लंबाई	शेष लंबाई जिसे पूरा किया जाना है	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	02	146 किलोमीटर	0 किलोमीटर	146 किलोमीटर	309
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	04	120 किलोमीटर	26 किलोमीटर	94 किलोमीटर	2,941
कुल	06	266 किलोमीटर	26 किलोमीटर	240 किलोमीटर	3,250

केरल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली हाल ही में संपन्न की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	दिंडुक्कल-पोल्लाच्चि-पालघाट और पोल्लाच्चि-कोयम्बतूर आमान परिवर्तन (217 किलोमीटर)	1,360
2	कोल्लम-तिरुनेलवेली-तिरूच्चेंदूर आमान परिवर्तन (357 किलोमीटर)	1,122
3	मुलंतुरुत्ती-कुरूप्पनत्तरा दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	303
4	चेंगन्नूर-चिंगवनम दोहरीकरण (27 किलोमीटर)	436
5	अम्बलप्पुष़ा-हरिप्पाड दोहरीकरण (18 किलोमीटर)	346
6	कुरूप्पनतरा-चिंगवनम दोहरीकरण (27 किलोमीटर)	749

केरल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली शुरू की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	अंगमालि-सबरीमाला नई लाइन (111 किलोमीटर)	3,727
2	एरणाकुलम-कुम्बलम दोहरी (8 किलोमीटर)	595
3	कुम्बलम-तुरवूर कहीं-कहीं दोहरीकरण (16 किलोमीटर)	803
4	तिरुवनंतपुरम - कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 किलोमीटर)	3,786
5	षोरणूर - वल्लत्तोल दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	367

पिछले तीन वर्षों में (अर्थात् 2022-2023, 2023-2024, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26) केरल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले कुल 9 अदद सर्वेक्षण (3 नई लाइन और 6 दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 1,124 किलोमीटर है, स्वीकृत किए गए हैं और सर्वेक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है।

केरल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। केरल राज्य में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है :

केरल में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	476 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	65 हेक्टेयर (14%)
अधिग्रहण के लिए शेष भूमि	411 हेक्टेयर (86%)

रेलवे ने केरल सरकार के पास भूमि अधिग्रहण के लिए 1,975 करोड़ रुपए जमा किए हैं। भूमि अधिग्रहण कार्यों में तेजी लाने के लिए केरल सरकार के सहयोग की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	अपेक्षित कुल भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत किए जाने हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	अंगमालि-सबरीमाला नई लाइन (111 किलोमीटर)	416	24	392
2.	एरणाकुलम-कुम्बलम कहीं-कहीं दोहरीकरण (8 किलोमीटर)	4	1	3
3.	कुम्बलम-तुरवूर कहीं-कहीं दोहरीकरण (16 किलोमीटर)	10	6	4
4.	तिरुवनंतपुरम - कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 किलोमीटर)	41	33	8
5.	षोरणूर - वल्लत्तोल दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	5	0	5

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए पूरी तरह तैयार है, बहरहाल इसकी सफलता केरल सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की मंजूरी कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- अनुमानित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता

- **अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार**
- **राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें**
- **रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना(ओं) का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी मंजूरी**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरी**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियां,**
- **परियोजना/परियोजनाओं के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए एक वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

<u>कण्णूर स्टेशन का पुनर्विकास:</u>

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है। इस मास्टर योजना में निम्नानुसार शामिल हैं -

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार,
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण,
- स्टेशन भवन में सुधार,
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथ में सुधार,
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान,
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान,
- प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म पर कवर में सुधार/प्रावधान,
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,
- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण,
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली,
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग का प्रावधान आदि शामिल हैं।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत विकसित करने हेतु 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से उत्तर मालाबार क्षेत्र के कण्णूर, कासरगोड, पय्यन्नूर और तलश्शेरी स्टेशन सहित 35 स्टेशन केरल राज्य में स्थित हैं। केरल राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित करने हेतु चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
केरल	35	अलाप्पुझा, अंगडीप्पुरम, अंगमालि कालडि, चलाकुडी, चंगनाशेरी, चेंगन्नूर, चिरयिनकीष़, एर्णाकुलम, एर्णाकुलम टाउन, एट्टुमानूर, फेरोक, गुरुवयूर, कण्णूर, कासरगोड, कयानकुलम जं., कोल्लम जं., कोझिकोड, कुट्टीपुरम, मवेलीकारा, नेय्यातिनकारा, नीलांबुर रोड, ओट्टप्पलम, परप्पनंगडी, पय्यानूर, पुनालुर, षोरणूर जं., थलास्सेरी, तिरुवनंतपुरम सैंट्रल, त्रिशूर, तिरूर, तिरुवल्ला, थिरुपनिथुरा, वडकारा, वर्कला शिवगिरी, वडकांचेरी

केरल राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से चल रहे हैं। अब तक, इस योजना के अंतर्गत केरल राज्य के 05 स्टेशनों (चिरयिनकीष़, वडकारा, कुट्टीपुरम, षोरणूर जंक्शन, चन्गनाशेरी) के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। अन्य स्टेशनों पर भी कार्य अच्छी गति से चल रहा है और उपरोक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति इस प्रकार है:

- कण्णूर स्टेशन: नए वीआईपी लाउंज का कार्य पूरा कर लिया गया है। वातानुकूलित प्रतीक्षालय, कॉनकोर्स, टिकट काउंटर और दूसरे प्रवेश द्वार की पार्किंग में सुधार के कार्य शुरू किए गए हैं।

- **कासरगोड स्टेशन: प्रवेश प्रांगण, बुकिंग खिड़की, प्लेटफॉर्म सं. 1 और 2/3 की ऊंचाई बढ़ाना तथा सतह निर्माण, प्लेटफॉर्म शेल्टर, स्टेशन भवन में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, सवारी डिब्बा सूचना बोर्ड, रेलगाड़ी सूचना बोर्ड, आरक्षित लाउंज और पानी के बूथों का कार्य पूरा कर लिया गया है। बैठने की व्यवस्था, लिफ्ट, स्वचालित सीढ़ियां, विश्रामालय, दूसरे प्रवेश द्वार की पार्किंग और 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **पय्यन्नूर स्टेशन: प्लेटफॉर्म सं. 2/3, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टर, दूसरे प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, सवारी डिब्बा सूचना बोर्ड व रेलगाड़ी सूचना बोर्ड के निर्माण का कार्य पूरा कर लिया गया है। स्टेशन भवन, कॉनकोर्स, प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रथम प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र, लिफ्ट और 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल में सुधार के कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **तलश्शेरी स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रांगण, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग और लिफ्ट में सुधार के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। प्लेटफॉर्म शेल्टर, द्वितीय द्वार पर प्रांगण, बुकिंग कार्यालय, कॉनकोर्स, परिचलन क्षेत्र और लिफ्ट में सुधार के कार्य पूरे कर लिए गए हैं।**

- **वडक्कांचेरि स्टेशन: स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म सतह, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र और नए द्वार मंडप में सुधार के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **चालक्कुडि स्टेशन: स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म सतह, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग क्षेत्र में सुधार के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।**

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों की पारस्परिक प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार कार्य शुरू किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्यों को स्वीकृति देने और निष्पादन के समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्चतर कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शामिल स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए निधियों के आबंटन का ब्यौरा कार्य-वार या स्टेशन-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है। यात्री सुविधाओं का वित्तपोषण सामान्यत: योजना शीर्ष-53 "ग्राहक सुविधा" के अंतर्गत किया जाता है। केरल राज्य दक्षिण रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है और इस जोन के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1122 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जिसमें से अब तक (अक्टूबर 2025 तक) 686 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है।

*****